जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 113
दिनांक 02.09.2015

कृषि विवि में दूरभाष दिग्दर्शिका विमोचित

जबलपुर 02 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की नवीन दूरभाष दिग्दर्शिका का विमोचन कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान डॉ. एस.के. राव, संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजूपत, सेवानिवृत्त संचालक अनुसंधान डॉ. एस.एस. तोमर, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय गंजबसौदा डॉ. धीरेन्द्र खरे, संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. एम.के. हरदहा, उपकुलसचिव डॉ. ए.के. सरावगी, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आर.के. नेमा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनकर शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैश्म्पायन, डॉ. अर्चना पाण्डेय एवं डॉ. अनय रातव उपस्थित थे।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 114
दिनांक 04.09.2015

कृषि विवि को पेंशन के लिये मिले 10 करोड़
वैज्ञानिक शिक्षक कर्मचारियों के खिले चेहरे

जबलपुर 04 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रथम अनुपुरक अनुमान में आयोजनेत्तर मद के अन्तर्गत स्ववित्तीय पेंशन हेतु 10 करोड़ रूपये की पहली किश्त जारी की गई है। लम्बे इंतजार के बाद प्राप्त इस राशि से विश्वविद्यालय के अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक और कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स के चेहरे खिल उठे और भविष्य के प्रति आश्वस्ति का भाव देखने मिला। गौरतलब है कि विवि विगत अनेक वर्षो से पेंशन को लेकर हड़ताल और धरने आदि का माहौल बना रहा। किन्तु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में विधिवत कागजात तैयार कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश शासन के समक्ष पेश किये गए और सचिवालय को विश्वास में लिया गया। परिणामतः एक लम्बी और मेहनतकश कवायद के बाद अन्ततः प्रदेश शासन ने भोपाल में सम्पन्न कैबिनेट बैठक में विवि हेतु स्ववित्तीय पेंशन योजना हेतु निर्णय कर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। घोषणा के फलितार्थ विश्वद्यिालय के 50 वर्षो के इतिहास में पहली बार पेंशन मद में उक्त राशि विश्वद्यिालय को प्राप्त हुई है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 115
दिनांक 10.09.2015

कृषि वैज्ञानिकों ने निकाली गेहूं धान की नई उन्नत किस्म

मध्यप्रदेश स्टेट रिलीज वैरायटी समिति ने जनेकृविवि की 7 नई किस्मों को प्रमाणित किया

जबलपुर 10 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों के सतत अनुसंधान के फलितार्थ धान और गेहूं की उम्दा नई प्रजातियां वजूद में आई हैं। इतना ही नहीं वरन इसके साथ ही दलहन को मिलाकर ईजाद की गई पांच अन्य उन्नत किस्मों को मध्यप्रदेश स्टेट रिलीज वैरायटी समिति ने प्रमाणित किया है। इन किस्मों की खूबियां ऐसे जानें–

एमपी 3382 (गेहूं)	एमपी 1255 (गेहूं)
केन्द्र – जबलपुर **अवधि** – 119 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 59.75 क्विंटल **पोषक तत्व** – आयरन, जिंक, प्रोटीन की अधिक मात्रा। **बेहतर** – चपाती (रोटी) बनाने के लिये। **अन्य विशेषता** – बोल्ड सीड, कई बीमारी से बचाव और ज्यादा उष्मा सहने की क्षमता।	**केन्द्र** – पवारखेड़ा **अवधि** – 119 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 21–45 क्विंटल **पोषक तत्व** – आयरन, जिंक की ज्यादा मात्रा। **बेहतर** – पास्ता निर्माण एवं निर्यात के लिए। **अन्य विशेषता** – कई बीमारी से बचने की क्षमता।
जेआरबी 1 (धान)	**जेआरएच 19 (धान)**
केन्द्र – वारासिवनी **अवधि** – 120–125 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 56 क्विंटल **बेहतर** – पोहा बनाने के लिये। **अन्य विशेषता** – कई बीमारियों की प्रतिरोधक क्षमता।	**केन्द्र** – जबलपुर **अवधि** – 95–100 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 65–70 क्विंटल **अन्य विशेषता** – कम पानी की जरूरत। बीमारियों की प्रतिरोधक क्षमता।

जेके 137 (कोदो)	जेएस 20–69 (सोयाबीन)	जेजीके 5 (चना)
केन्द्र – रीवा **अवधि** – 102–107 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 29 क्विं **बेहतर** – भोजन के लिये। **अन्य विशेषता** – बीमारी प्रतिरोधक क्षमता।	**केन्द्र** – जबलपुर **अवधि** – 93–95 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 25–28 क्विंटल **अन्य विशेषता** – बीमारी प्रतिरोधक क्षमता।	**केन्द्र** – जबलपुर **अवधि** – 100–110 दिन **उत्पादन** – प्रति हेक्टे. 8–10 क्विंटल **बेहतर** – काबुली चना जैसा। **अन्य विशेषता** – कई बीमारियों की प्रतिरोधक क्षमता।

राज्य सरकार द्वारा जनेकृविवि द्वारा अनुसंधान के बाद तैयार किस्मों को स्वीकार करने से किसानों को फसल की उन्नत किस्म के नये विकल्प मुहैया हो गये हैं। इन प्रजातियों के जरिए किसान अपेक्षाकृत कम समय में ही अधिक और बेहतर गुणवत्ता युक्त फसल का उत्पादन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने लम्बी शोध प्रक्रिया के बाद गेहूं, धान, चना, कोदो और सोयाबीन की उन्नतें किस्में तैयार की हैं। इन प्रजातियों में पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा सुनिश्चित की गई है। इन प्रजातियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक है। इससे बीमारियों का प्रकोप फैलने से किसानों को अपेक्षाकृत कम नुकसान होगा। इन सभी प्रजातियों को वर्तमान जरूरतों के मुताबिक विकसित किया गया है। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कृषि वैज्ञानिकों और टीम को बधाईयां देते हुये भविष्य में और भी सार्थक अनुसंधान करने का आव्हान किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 116
दिनांक 11.09.2015

कृषि महाविद्यालय की प्रथम महिला अधिष्ठाता का स्वागत

जबलपुर 11 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत स्थित कृषि महाविद्यालय की नव नियुक्त प्रथम महिला अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता का कृषि महाविद्यालय एवं ज.ने.कृ.वि.वि. के तकनीकी महिला स्टाफ द्वारा शाल, श्रीफल और प्रतीकचिन्ह भेंट कर भव्य और भावभीना अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष पौध कार्यिकी विभाग डॉ. (श्रीमति) एस. राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सम्मान के प्रत्युत्तर में डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुये कहा कि आज की नारी अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग, सचेत और शिक्षित है। वह घर परिवार के साथ ही सामजिक और नौकारीपेशा आदि क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपना कार्य करने में सक्षम है। ज्ञात हो कि डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता विगत कुछ वर्षो तक पौध रोग विभाग में विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहीं। डॉ. अनीता बब्बर, डॉ. (श्रीमति) उषा भाले, डॉ. सुषमा नेमा, डॉ. अर्चना पाण्डे, डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. रजनी बिसेन, डॉ. भारती दास, डॉ. सुभ्रता शर्मा, डॉ. स्तुति मिश्रा, डॉ. शशि गौर एवं ऋचा सिंह द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी महिला वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 117
दिनांक 14.09.2015

कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस संपंन

जबलपुर 14 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत के मुख्य आतिथ्य एवं कुलसचिव राजेश पालीवाल के विशेषातिथ्य एवं अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस मौके पर जहां छात्रों ने पोस्टर, संदेश एवं नारा प्रतियोगिता आयोजित की वहीं नगर के वरिष्ठ तुलसी साहित्य चिन्तन और दर्शन के विद्धान सेवानिवृत्त शिक्षक ''मानस रत्न'' डॉ. गोविन्द्र प्रसाद नेमा का शाल, श्रीफल और प्रतीकचिन्ह भेंट कर भव्य और भावभीना अभिनन्दन किया गया। डॉ. गोविन्द्र प्रसाद नेमा ने अपने उदबोधन में कहा कि हिन्दी की सेवा देश की सेवा है। हिन्दी जितनी समृद्ध होगी देश उतनी अधिक तरक्की करेगा। कार्यक्रम का संचालन एस.के. शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एम.के. अवस्थी ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 118
दिनांक 15.09.2015

कड़ी मेहनत एवं लगन से लक्ष्य की प्राप्ति – डॉ. जैन
उद्यान शास्त्र विभाग में हुआ नवागतों का स्वागत

जबलपुर 15 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित उद्यान शास्त्र विभाग के वरिष्ठ छात्रों ने परम्परा का निर्वहन करते हुये इस वर्ष प्रवेश लेने वाले नवागत स्नात्तकोतर छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कनिष्ठ एवं वरिष्ठ छात्रों के मध्य एक सबंध स्थापित करना होता है जिससे शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी अनुभव एवं मार्गदर्शन में समन्वय स्थापित हो सके। मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. जैन ने दीप प्रज्जवलन कर छात्रों का आव्हान किया कि नवागत छात्र कड़ी मेहनत एवं लगन से अपने लक्ष्य को हांसिल कर कृषि के क्षेत्र में प्रदेश और देश की सेवा करें। डॉ. जैन ने आगे कहा कि आप सब भविष्य के महान कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक और कृषि व्यवसायी हैं। वर्तमान में देश को कृषि वैज्ञानिकों की सख्त जरूरत है।

इस अवसर पर शिक्षकों का सम्मान छात्रों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. ए.के. नायडू, डॉ. एस.के. पाण्डे, डॉ. एस.के. मित्रा, डॉ. बी.पी. बिसेन, डॉ. विजय अग्रवाल, डॉ. यू.के. चंदेरिया एवं पी.एच.डी. तथा एम.एस.सी. (फाइनल) के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 119
दिनांक 15.09.2015

विज्ञान और आध्यात्मकता को एक साथ चलना होगा : डॉ. श्याम जी

जबलपुर 15 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर में आज इंजीनियर्स दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउन्ट आबू से रोहित भाई स्ट्रेस मेनेजमेंट पर, डॉ. श्याम जी रावत कैंसर विशेषज्ञ, बहन श्वेता दीदी एवं बहन बरसा दीदी ने अपने आशीषवचन से श्रोताओं को मुग्ध किया।

भारत रत्न डॉ. मोक्ष गुंडम विश्वेसरैया के ऊपर एक फिल्म भी लगभग 200 अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों को प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी के मुख्य आतिथ्य एवं अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा की अध्यक्षता में इंजीनियर्स दिवस मनाया गया। डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. गुप्ता, प्रो. सी.एम. एब्राल सहित सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों ने कार्यक्रम में शिरकत की और आनन्द लिया।

इस अवसर पर डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. एम.के. अवस्थी, डॉ. वाय.के. तिवारी, डॉ. व्ही.के. तिवारी, एवं कृषि अभियांत्रिकी के छात्रों हर्ष, अंकित, संगीत, शैलेन्द्र एवं नीरज का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने किया।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 120
दिनांक 20.09.2015

कृषि विवि में
हायब्रिड चावल पर कार्यशाला आज

जबलपुर 20 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि नगर तालाब के पास बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेव्लपमेन्ट यूनिट हाल में आज 21 सितम्बर को प्रातः 10 बजे हायब्रिड चालव की मशहूर किस्मों पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित है। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर मुख्य अतिथि होंगे। इसमें देश के विभिन्न प्रदेशों के लगभग 50 व्यवसायी, कृषि सेवा प्रदाता, कृषि व्यपार कम्पनियां, शुरूअप निर्माता संगठन, गैर सरकारी संगठन, सहकारिता, कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता और कृषि छात्रगण हिस्सा लेंगे। यहां कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया जायेगा। संयोजक एवं बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेव्लपमेन्ट यूनिट के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. एस. कोटेश्वर राव ने उपस्थिति की अपील की है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 121
दिनांक 21.09.2015

कृषि तकनीकी का पूर्ण ज्ञान जरूरी– प्रो. तोमर
विश्व प्रक्षेत्र दिवस पर कृषि विवि में हायब्रीड चावल पर कार्यशाला सम्पन्न

जबलपुर 21 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेव्लपमेन्ट यूनिट हाल में विश्व प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर हायब्रीड चावल की मशहूर किस्मों पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि कृषि तकनीकी का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर ही खेती और खेती व्यवसाय में उतरें। अधूर ज्ञान से आशानुरूप उत्पादन और सफलता नहीं मिलती। उन्नत कृषि तकनीक से उद्यमी मार्केट में अच्छे कृषि उत्पाद लाकर लाभ कमाने के साथ–साथ कृषि, कृषक और देश की सेवा कर सकते हैं। प्रो. तोमर ने बड़े समूह बनाकर कृषि और कृषि व्यवसाय करने पर जोर दिया। कार्यशाला के अध्यक्ष एवं जेके बीज कम्पनी हैदराबाद के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. जे.एल. द्विवेदी ने कहा कि कृषि व्यवसाय आज लाभ का धंधा बन गया है। कृषि तकनीक और सलाह इसमें और भी चार चांद लगा रही है।

संयोजक एवं बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेव्लपमेन्ट यूनिट के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. एस. कोटेश्वर राव ने कहा कि जनेकृविवि द्वारा विकसित चावल की उन्नत किस्में देश और विदेश में चर्चित हैं और उपयोग में लाई जा रही है। हाल ही में जनेकृविवि द्वारा विकसित धान की हायब्रीड किस्में पूरे विश्व में कहीं नहीं हैं। कृषि उद्यमी इस तकनीक को सीखकर बीज बनाकर देश भर में कृषकों हेतु सप्लाई कर अच्छा खासा धन अर्जित कर सकता है। संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा भी मंचासीन थे। इस मौके पर डॉ. जी.के. कौतू, डॉ. उत्तम बिसेन बालाघाट, डॉ. आर.एस. शुक्ला आदि ने हायब्रीड किस्मों की उन्नति, अनुसंधान तकनीक एवं विपर्णन पर व्याख्यान दिया। तदोपरान्त यहां कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया।

कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रदेशों के लगभग 50 व्यवसायी, कृषि सेवा प्रदाता, कृषि व्यपार कम्पनियां, शुरूअप निर्माता संगठन, गैर सरकारी संगठन, सहकारिता, कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता, कृषक और कृषि छात्रगण आदि ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेव्लपमेन्ट यूनिट के को–प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. एस.डी. उपाध्याय ने किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी.के. कौतू ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यशाला की सफलता में सुश्री लवीना शर्मा बिजनेस एसोसिएट, दीपक पाल बिजनेस एसोसिएट एवं जय वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 122
दिनांक 22.09.2015

विश्व का सबसे अच्छा भारत का खाद्य सुरक्षा एक्ट
कृषि विवि में खाद्य सुरक्षा प्रबंधन पर व्याख्यान सम्पन्न

जबलपुर 22 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में फुड सेफ्टी फस्ट कम्पनी नई दिल्ली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विषय विशेषज्ञ श्री उज्जवल कुमार ने ''खाद्य सुरक्षा एक्ट 2006 और खाद्य सुरक्षा प्रबंधन'' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में भारत में चल रहे व्यापार विकास और खाद्य से जुडे उत्पाद के बाजारीकरण के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि खाद्य सुरक्षा एक्ट के अनुसार गुणवता युक्त खाद्य पदार्थ तैयार कर बाजारीकरण करने की जरूरत है। इससे किसानों और उपभोक्ता दोनों को फायदा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत एक वर्ष में 12 लाख तक कमाने वाले व्यापारी 100 रूपये में एक वर्ष रजिस्ट्रेशन कराकर लाईसेंस ले सकते हैं। इसके अभाव में आर्थिक दण्ड एवं अन्य असुविधाओं से जूझना पड़ सकता है। भारत का यह दुनिया का सबसे सफल और अच्छा एक्ट है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कहा कि आज की आधुनिक एवं टिकाऊ खेती के युग में खाद्य सुरक्षा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण विषय है। जिसमें विश्वविद्यालय को अधिक से अधिक अनुसंधान एवं विस्तार करने की जरूरत है। किसानों को अपनी आमदनी बढाने के लिये गुणवता युक्त खेती और जैविक कृषि दोनों पर जोर देना होगा। द्वितीय कृषि (Secondary agriculture) एवं खाद्य प्रसंस्करण को बढावा देने की जरूरत है। इससे उपभोक्ता को गुणवता युक्त खाद्य पदार्थ मिलेगा और किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। प्रो. तोमर ने वैल्यू चैन सिस्टम अपनाने पर जोर देकर कहा कि हम कृषि विज्ञान केन्दों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और जैविक कृषि को बढ़ावा दे सकते हैं।

इस मौके पर अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान डॉ. एस.के. राव, पूर्व संचालक अनुसंधान डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, प्रभारी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. सुमन कुमार, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. राजेन्द्र कुमार नेमा मंचासीन थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्याथीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 123
दिनांक 24.09.2015

कृषि विवि में स्थापना दिवस और
राष्ट्रीय बीज दिवस की जोरदार तैयारियां

जबलपुर 24 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय इन दिनों अपने 52वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय बीज दिवस आयोजन की तैयारियों में जुटा हुआ है। ये दोनों आयोजन 1 अक्टूबर को कृषि महाविद्यालय सभागार एवं कृषि नगर तालाब प्रक्षेत्र में आयोजित किये जायेंगे। इसमें कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इनके साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (कृषि शिक्षा) डॉ. एन.एस. राठौर **''वातवरण सुरक्षा हेतु ऊर्जा के नवीनीकरण''** विषय पर व्याख्यान देंगे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन नवनिर्मित अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास एवं एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोजेक्ट आर्गेनिक खेती भवन का उदघाटन करेंगे। कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं और उपलब्धियां अर्जित करने वाले प्रदेश के किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जायेगा। राष्ट्रीय बीज दिवस के तहत बीज कम्पनियों एवं छात्रों की भागीदारी एवं सहभागिता द्वारा उन्नत कृषि तकनीकों का प्रदर्शन होगा। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव राजेश पालीवाल तथा अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान डॉ. एस. कोटेश्वर राव के संयोजकत्व में उक्त आयोजनों हेतु तैयारियों का सिलसिला जोर–शोर से जारी है।

आयोजन की भव्यता एवं सफलता हेतु अधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं छात्रों के साथ अनेक बैठकें आयोजित की गई तथा महत्वपूर्ण सुझाव, दिशा निर्देश एवं जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन हेतु कुलपति प्रो. तोमर की अध्यक्षता एक 62 सदस्यीय वृहत समिति का गठन किया गया है। जिसके अन्तर्गत 11 सह–समितियां अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 2014 में जनेकृविवि ने अपनी 50वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई थी। जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की गरिमामय उपस्थिति में भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ था। इसके साथ ही वर्षभर राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन भी किया गया जिसमें विश्व और राष्ट्र के जाने–माने कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता, कृषक और अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन की सफलता में चार चांद लगाये।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 124
दिनांक 28.09.2015

भारत करता है विश्व के तीन चौथाई चने का उत्पादन

चना उत्पादन में एकाधिकार के बावजूद मांग एवं आपूर्ति हेतु आयात करना पड़ता है चना

इस वर्ष किसानों के लिये फायदेमंद हो सकती है चने की बुवाई

जबलपुर 28 सितम्बर। चना भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख दलहनी फसल है जिसका राजमा एवं मटर के बाद तृतीय स्थान है। विश्व में भारत, आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, तुर्की, इथोपिया एवं म्यांमार प्रमुख अर्न्तराष्ट्रीय चना उत्पादक देश है। विश्व में भारत चने का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्त एवं आयात करने वाला देश है तथा विश्व में उत्पादित कुल चने का लगभग तीन चौथाई उतपादन अकेले भारत में होता है। चना उत्पादन में एकाधिकार होने के बावजूद मांग एवं पूर्ति में अन्तर के परिणामस्वरूप देश में प्रतिवर्ष विदेश से चने का आयात किया जाता है।

भारत में मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हरियाणा, बिहार तथा पश्चिम–बंगाल प्रमुख चना उत्पादक राज्य हैं, जिनमें देश का 50% उत्पादन मध्यप्रदेश करता है। इसका चने के रकबे एवं उत्पादन में प्रथम स्थान है।

पिछले दशक 2001 के बाद चने के रकबे एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2013–14 में राज्य में चने का रकबा 3482 हजार हेक्टेयर एवं उत्पादन 2555 हजार टन था फलतः उत्पादकता 809 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर हुई, जो राष्ट्रीय स्तर की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। राज्य के शीर्ष चना उत्पादित जिले सागर, छिंदवाड़ा, विदिशा, रायसेन, अशोकनगर, देवास, दमोह, राजगढ़, नरसिंहपुर, उज्जैन, छतरपुर एवं सीहोर है। वर्ष 2013–14 में सागर जिले में चने का सबसे अधिक रकबा जोकि 202 हजार हेक्टेयर तथा उत्पादन छिंदवाड़ा जिले में जोकि 151 हजार टन प्राप्त हुआ परन्तु जिला विदिशा में सबसे अधिक चने की मण्ड़ियोंमें आवक हुई है, जिसके फलस्वरूप विदिशा की कीमत पूर्वानुमान के लिय चयनित की गई। चने की बुवाई अक्टूबर–नवम्बर में तथा कटाई फरवरी–मार्च में होती है।

कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र प्रबंध विभाग, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की ''बाजार असूचना (मार्केट इंटेलीजेन्स)'' नामक परियोजना ने पूर्वानुमान लगाया है कि असामयिक वर्षा तथा खरीफ ऋतु में कम वर्षा के परिणामस्वरूप खरीफ फसलों की कटाई में विलम्ब होने कारण चना की बुवाई, रकबा एवं उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है। किन्तु चने की कीमतें फरवरी–मार्च में 4300 रूपये प्रति क्विंटल से 4400 रूपये प्रति क्विंटल तक पहुंच सकती हैं, जो भारत सरकार द्वारा घोषित किये गए न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी अधिक है। अतः कृषकों को यह सलाह दी जाती है कृषक चने की अधिक से अधिक क्षेत्र में बुवाई करें।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 125
दिनांक 29.09.2015

चित्रकला एवं संगीत स्पर्धा में जनेकृविवि की उपलब्धि

जबलपुर 28 सितम्बर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ द्वारा नगर के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं हेतु ललित कला, संगीत, रंगमंच एवं नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जनेकृविवि के कृषि महाविद्यालय जबलपुर के सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. अमित शर्मा के अनुसार महाविद्यालय की बी.एस.सी. कृषि द्वितीय वर्ष की छात्रा श्वेता बाथरे ने पेंटिग स्पर्धा में द्वितीय तथा बी.एस.सी वानिकी के चतुर्थ वर्ष के छात्र गौरव खरे ने एकल गायन स्पर्धा मेंउत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये द्वितीय स्थान अर्जित किया। स्पर्धाओं में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान डॉ. एस.के. राव, अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी ने बधाई दी।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 126
दिनांक 30.09.2015

कृषि विश्वविद्यालय में 52वॉ स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय बीज दिवस आज

अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास एवं जैविक कृषि के लिये 'अनुभव सीख कार्यक्रम' भवन का लोकार्पण तथा बीज प्रदर्शनी का उदघाटन होगा : कृषि वैज्ञानिक और किसान होंगे सम्मानित

जबलपुर 30 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज 52वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय बीज दिवस पर मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र. शासन श्री गौरीशंकर बिसेन बतौर मुख्य अतिथि प्रातः 10.20 बजे नवनिर्मित अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास एवं जैविक कृषि के लिये 'अनुभव सीख कार्यक्रम' भवन का लोकार्पण तथा प्रजनक बीज उत्पादन इकाई में बीज प्रदर्शनी का उदघाटन करेंगे। प्रातः 11 बजे कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन के मुख्य अतिथ्य में स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय बीज दिवस समारोह आयोजित होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. एन.एस. राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में **''वातवरण सुरक्षा हेतु ऊर्जा के नवीनीकरण''** विषय पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर करेंगे। दोपहर 2 बजे बीज उत्पादन की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन तथा बीज कम्पनी एवं छात्रों की सहभागिता पर संवाद कार्यक्रम होगा।

कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं और उपलब्धियां अर्जित करने वाले प्रदेश के किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जायेगा। राष्ट्रीय बीज दिवस के तहत बीज कम्पनियों एवं छात्रों की भागीदारी एवं सहभागिता द्वारा उन्नत कृषि तकनीकों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही कृषि साहित्य का विमोचन होगा।

अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास – विश्व के विभिन्न देशों से शिक्षार्जन हेतु आने वाले विदेशी छात्रों हेतु 01 करोड़ की लागत से अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास का निर्माण किया गया है। इसमें लैट–बाथ के साथ ही प्रत्येक कमरे में किचिन का भी निर्माण किया गया है। भवन में 8 सुसाज्जित कमरे हैं जिनमें 16 छात्रों के रहने की व्यवस्था की गई है।

अनुभव सीख कार्यक्रम भवन – 85 लाख रू. की लागत से जैविक कृषि के लिये एक आधुनिक अनुभव सीख कार्यक्रम भवन का निर्माण भी किया गया है। भवन में छात्रों हेतु ट्रेनिंग हॉल, प्रयोगशाला तथा वर्मी कम्पोस्ट यूनिट आदि निर्मित हैं। इसमें छात्रों एवं कृषकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव राजेश पालीवाल तथा अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान डॉ. एस. कोटेश्वर राव के संयोजकत्व में 62 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

–000–